प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2026

भारत सरकार
Government of India
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम. ओ. ई. एस.)
Ministry of Earth Sciences (MoES)

भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

सितंबर 2026 के दौरान वर्षा और तापमान का मासिक पूर्वानुमान
Monthly Outlook for Rainfall and Temperature during September 2026

मुख्य बातें

क) भारत में वर्षा – सितंबर 2026 के दौरान पूरे देश में मासिक वर्षा सामान्य से कम (दीर्घावधि औसत (एलपीए/LPA) का <91%) होने की सबसे अधिक संभावना है। भौगोलिक रूप से, देश के कई हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है। हालाँकि, उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पूर्व, पूर्व, पूर्वी-मध्य और प्रायद्वीपीय भारत के कुछ दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में सामान्य या सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है।

ख) भारत में सतही हवा का तापमान – सितंबर 2026 के दौरान, देश के अधिकतर हिस्सों में मासिक औसत अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। मासिक औसत न्यूनतम तापमान भी देश के अधिकतर हिस्सों में सामान्य से अधिक रहने की उम्मीद है, सिवाय उत्तर-पश्चिम, पश्चिम-मध्य और उत्तर-पूर्व भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर, जहाँ इसके सामान्य या सामान्य से कम रहने की संभावना है।

ग) समुद्र की सतह का तापमान (एसएसटी/**SST**) – वर्तमान में, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में मज़बूत अल-नीनो (El Niño) की स्थिति बनी हुई है, जिसमें मध्य और पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में समुद्र की सतह का तापमान (SST) सामान्य से अधिक बना हुआ है। आने वाले महीनों में इन स्थितियों के और मज़बूत होने की उम्मीद है। वर्तमान में, हिंद महासागर में तटस्थ/न्यूट्रल हिंद महासागर द्विध्रुव/इंडियन ओशन डाइपोल (आईओडी/IOD) की स्थिति बनी हुई है। मॉनसून मिशन कपल्ड फोरकास्ट सिस्टम (एमएमसीएफएस/MMCFS) के पूर्वानुमान बताते हैं कि सितंबर 2026 तक तटस्थ IOD की स्थिति बनी रहने की संभावना है। हालाँकि, अंतरराष्ट्रीय जलवायु केंद्रों के पूर्वानुमान बताते हैं कि सितंबर के बाद तटस्थ IOD की स्थिति सकारात्मक(पॉज़िटिव) IOD की स्थिति में बदल सकती है।

IMD सितंबर 2026 के अंत में उत्तर-पूर्वी मॉनसून ऋतु (अक्टूबर से दिसंबर (**OND**) 2026) के लिए पूर्वानुमान और अक्टूबर 2026 के लिए वर्षा और तापमान का आउटलुक जारी करेगा।

सितंबर **2026** के दौरान वर्षा और तापमान का मासिक आउटलुक

1. पृष्ठभूमि

2021 से, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) देश में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की वर्षा के लिए 'मल्टी-मॉडल एनसेंबल' (एमएमई/MME) पूर्वानुमान प्रणाली के आधार पर मासिक और ऋतुनिष्ठ पूर्वानुमान जारी कर रहा है। MME तरीका अलग-अलग ग्लोबल क्लाइमेट प्रेडिक्शन और रिसर्च सेंटरों के 'कपल्ड ग्लोबल क्लाइमेट मॉडल' (सीजीसीएम/CGCMs) का इस्तेमाल करता है, जिसमें IMD का 'मॉनसून मिशन क्लाइमेट फोरकास्टिंग सिस्टम' (एमएमसीएफएस/MMCFS) मॉडल भी शामिल है।

IMD ने 13 अप्रैल को देश में 2026 के दक्षिण-पश्चिम मॉनसून सीज़न (जून से सितंबर) की वर्षा के लिए पहले चरण का पूर्वानुमान जारी किया था और 29 मई 2026 को इसे अद्यतन (अपडेट) किया था। इसके अलावा, IMD ने 29 मई 2026 को जून 2026 की वर्षा के लिए और 30 जून 2026 को जुलाई की वर्षा के लिए पूर्वानुमान जारी किया था। अगस्त-सितंबर 2026 के दौरान ऋतुनिष्ठ वर्षा के लिए दक्षिण-पश्चिम मॉनसून वर्षा का पूर्वानुमान और अगस्त 2026 के लिए मासिक वर्षा और तापमान का आउटलुक 31 जुलाई 2026 को जारी किया गया था। सितंबर 2026 के दौरान वर्षा और तापमान का मासिक आउटलुक यहाँ दिया गया है।

2. सितंबर **2026** के दौरान वर्षा का संभावित पूर्वानुमान

सितंबर 2026 के दौरान पूरे देश में मासिक वर्षा के सामान्य से कम (दीर्घावधि औसत (एलपीए/LPA) का <91%) रहने की सबसे अधिक संभावना है। 1971-2020 के आंकड़ों के आधार पर, सितंबर के दौरान पूरे देश में वर्षा का दीर्घावधि औसत लगभग 167.9 मिमी है।

सितंबर 2026 के लिए देश भर में वर्षा की श्रेणियों (सामान्य से अधिक, सामान्य और सामान्य से कम) के स्थानिक वितरण का संभावित पूर्वानुमान चित्र 1. में दिखाया गया है। यह बताता है कि देश के कई हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है। हालाँकि, उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पूर्व, पूर्व, पूर्व-मध्य और प्रायद्वीपीय भारत के कुछ दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में सामान्य या सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। देश के ज़मीनी हिस्से में सफ़ेद रंग से दिखाए गए क्षेत्रों के लिए मॉडल से कोई संकेत नहीं मिला है।

सामान्य से कम वर्षा खेती, जल संसाधनों, पनबिजली उत्पादन, पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) की स्थिरता और पीने के पानी की उपलब्धता पर बुरा असर डाल सकती है, साथ ही

कई क्षेत्रों में गर्मी के तनाव (heat stress) का खतरा भी बढ़ा सकती है। संबंधित एजेंसियों और हितधारकों द्वारा समय पर तैयारी के उपाय — जैसे जल संरक्षण, संसाधनों का कुशल प्रबंधन और खेती से जुड़ी आपातकालीन योजना — इन प्रभावों को कम करने में मदद कर सकते हैं। IMD कई तरह की मौसम और जलवायु संबंधी सेवाएँ देता है, जिनमें ऋतुनिष्ठ और विस्तारित अवधि के पूर्वानुमान, जिला-स्तर के पूर्वानुमान, कृषि-मौसम संबंधी सलाह और प्रभाव-आधारित प्रारंभिक चेतावनियाँ शामिल हैं। ये सेवाएँ किसानों, जल संसाधन प्रबंधकों, आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों और बिजली क्षेत्र के योजनाकारों को सही फ़ैसले लेने में मदद करती हैं। IMD के पूर्वानुमानों और प्रारंभिक चेतावनी सेवाओं का प्रभावी इस्तेमाल वर्षा की कमी वाली स्थितियों से निपटने की क्षमता को काफ़ी बढ़ा सकता है।

3. सितंबर **2026** के लिए तापमान का संभावित पूर्वानुमान

चित्र 2. और चित्र 3. में क्रमशः सितंबर 2026 के लिए अधिकतम और न्यूनतम तापमान के संभावित पूर्वानुमान दिखाए गए हैं। सितंबर 2026 के दौरान**,** देश के ज़्यादातर हिस्सों में मासिक औसत अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है (चित्र 2.)। देश के ज़मीनी इलाके में सफ़ेद रंग से दिखाए गए हिस्सों के लिए मॉडल से कोई संकेत नहीं मिला है।

सितंबर 2026 में**,** देश के ज़्यादातर हिस्सों में मासिक औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की उम्मीद है**,** सिवाय उत्तर-पश्चिम**,** पश्चिम-मध्य और उत्तर-पूर्व भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर**,** जहाँ इसके सामान्य या सामान्य से कम रहने की संभावना है (चित्र **3.)**। देश के ज़मीनी इलाके में सफ़ेद रंग से दिखाए गए हिस्सों के लिए मॉडल से कोई संकेत नहीं मिला है।

4. प्रशांत और हिंद महासागर में समुद्र की सतह के तापमान (एसएसटी**/SST)** की स्थिति

वर्तमान में, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में मज़बूत अल-नीनो (El Niño) की स्थिति बनी हुई है, और मध्य तथा पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में समुद्र की सतह का तापमान (SST) सामान्य से अधिक बना हुआ है। आने वाले महीनों में इन स्थितियों के और मज़बूत होने की संभावना है।

वर्तमान में, हिंद महासागर में तटस्थ/न्यूट्रल हिंद महासागर द्विध्रुव/इंडियन ओशन डाइपोल (आईओडी/IOD) की स्थिति बनी हुई है। मॉनसून मिशन कपल्ड फोरकास्ट सिस्टम (MMCFS) के पूर्वानुमान बताते हैं कि सितंबर 2026 तक तटस्थ IOD की स्थिति बने रहने की संभावना है। हालाँकि, अंतरराष्ट्रीय जलवायु केंद्रों के पूर्वानुमान बताते हैं कि सितंबर के बाद तटस्थ IOD की स्थिति बदलकर सकारात्मक/पॉजिटिव IOD की स्थिति में बदल सकती है।

5. विस्तारित रेंज पूर्वानुमान और लघु से मध्यम रेंज पूर्वानुमान सेवाएं

IMD देश भर में वर्षा एवं अधिकतम और न्यूनतम तापमान के विस्तारित रेंज पूर्वानुमान (अगले चार हफ़्तों के लिए 7-दिन का औसत पूर्वानुमान) भी देता है, जिसे हर हफ़्ते बृहस्पतिवार (गुरुवार) को अपडेट किया जाता है। यह IMD में अभी चल रहे मल्टी-मॉडल एन्सेम्बल डायनामिकल एक्सटेंडेड रेंज फोरकास्टिंग सिस्टम पर आधारित है। एक्सटेंडेड रेंज फोरकास्ट IMD वेबसाइट https://mausam.imd.gov.in/imd_latest/contents/extendedrangeforecast.php पर उपलब्ध हैं।

विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के बाद IMD रोज़ाना लघु से मध्यम रेंज पूर्वानुमान जारी करता है। पूर्वानुमान IMD वेबसाइट https://nwp.imd.gov.in/gfsproducts_cycle00_mausam.php पर उपलब्ध हैं।

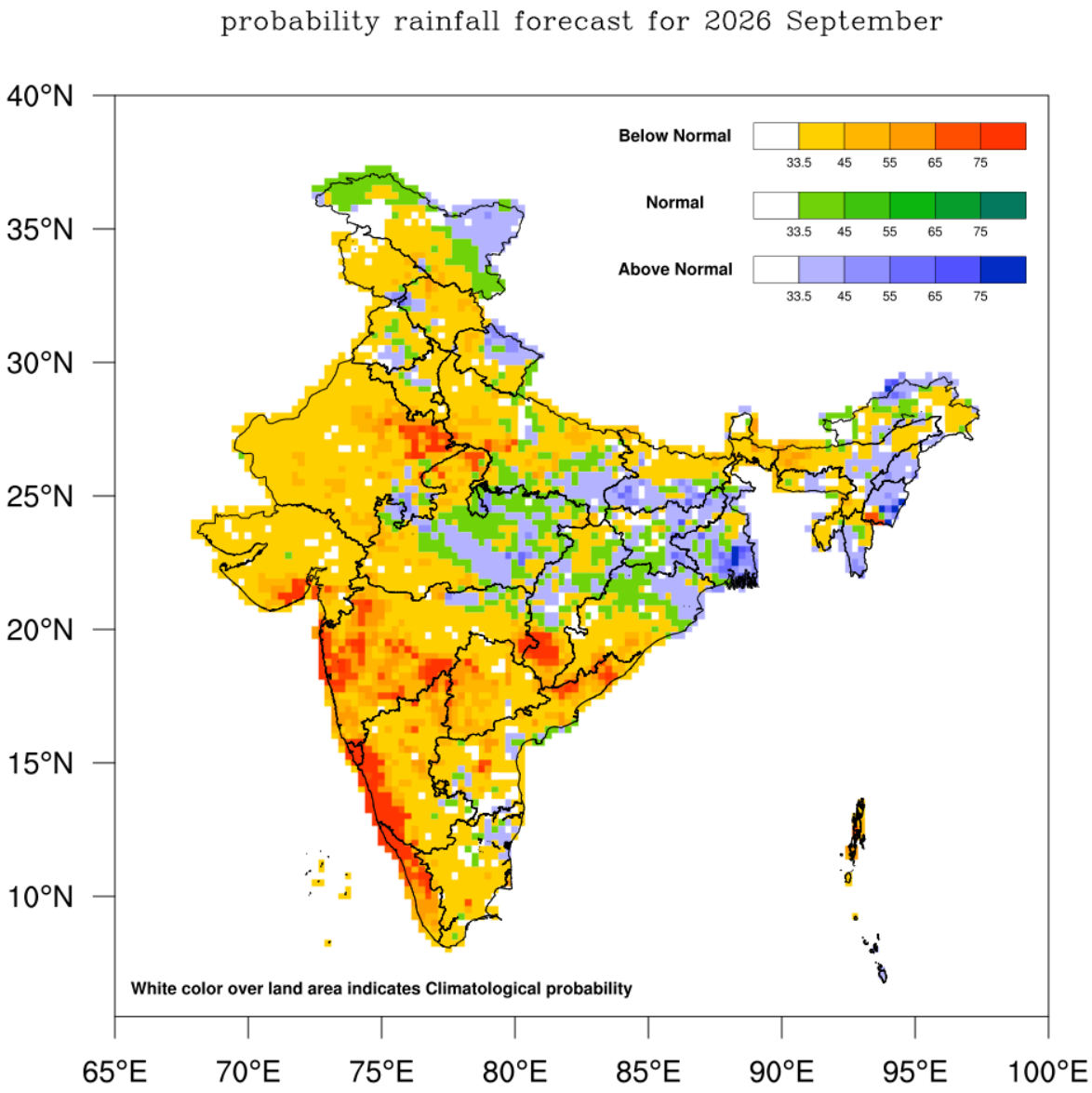

चित्र **1.** सितंबर 2026 के दौरान भारत में वर्षा की टर्साइल श्रेणियों* (सामान्य से नीचे, सामान्य और सामान्य से अधिक) का संभावना पूर्वानुमान। देश के ज़मीनी हिस्से में सफ़ेद रंग से दिखाए गए इलाकों के लिए मॉडल से कोई संकेत नहीं मिल रहा है। *टर्साइल श्रेणियों की जलवायवीय संभावना बराबर होती है, जो हर एक के लिए 33.33% है।

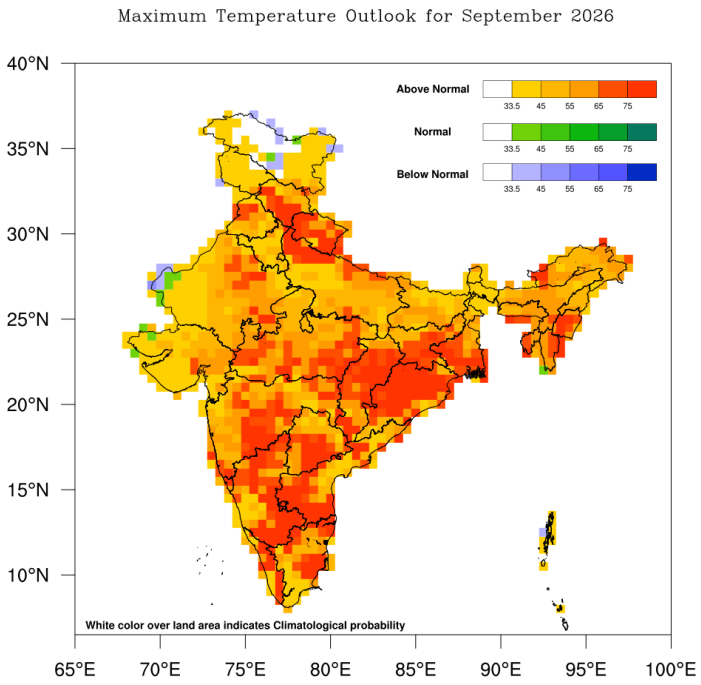

चित्र **2.** सितंबर 2026 के लिए अधिकतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान।

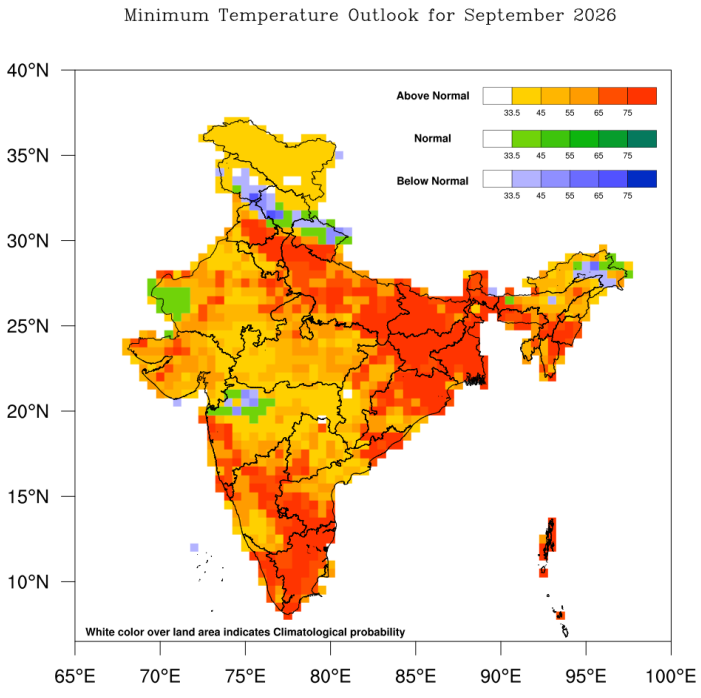

चित्र **3.** सितंबर 2026 के लिए न्यूनतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान।